Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University
(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 02 October 2024

Dainik Jagran
Page - 02

गोवि ने कृषि संस्थान के लिए शासन से मांगा 50 एकड़ जमीन

जागरण संवाददाता, गोरखपुर: अपने कृषि पाठ्यक्रमों के सुचारु संचालन के लिए गोरखपुर विश्वविद्यालय ने शासन से 50 एकड़ कृषि योग्य भूमि की मांग की है। बीते दिनों इस मांग का आवेदन पत्र कुलपति ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को दिया है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर जिला प्रशासन ने जमीन की तलाश भी शुरू कर दी है।

कुलपति ने मुख्यमंत्री को बताया है कि विश्वविद्यालय में कृषि के स्नातक व परास्नातक पाठ्यक्रम सत्र 2021-22 संचालित हो रहे हैं। वर्तमान में कृषि पाठ्यक्रमों में 950 विद्यार्थी पंजीकृत हैं। यह संख्या अगले तीन-चार साल में 1300 तक पहुंच जाएगी। बताया है कि विश्वविद्यालय परिसर में अलग-अलग स्थानों पर 16 एकड़ का कृषि फार्म बनाया गया है, जो न केवल कृषि में शोध व शिक्षा के लिए नाकाफी है बल्कि इससे विश्वविद्यालय में भविष्य की कार्ययोजना बनाने में भी बाधा आ रही है। ऐसे में यदि कृषि फार्म के लिए 50 एकड़ भूमि प्राप्त हो जाएगी तो दोनों प्रक्रिया आसानी से आगे बढ़ेगी। विश्वविद्यालय अब भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद से मान्यता प्राप्त करने का प्रयास कर रहा है, यदि 50 एकड़ कृषि भूमि प्राप्त तो मान्यता मिलने में काफी आसानी होगी।

अलग-अलग स्थान पर कृषि फार्म होने से होती है परेशानी: विश्वविद्यालय प्रशासन ने मुख्य परिसर, हीरापुरी कालोनी, नेपाली हास्टल परिसर की जमीन को कृषि फार्म के रूप में चिन्हित किया था। इन्हीं स्थानों पर छात्र कृषि संबंधी प्रयोग करते है।

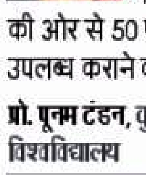

"विश्वविद्यालय के कृषि संस्थान को ऊंचाई देने के लिए एक ही स्थान पर बड़े कृषि फार्म की महती आवश्यकता महसूस की जा रही है। वर्तमान में हमारे पास इसके लिए 16 एकड़ जमीन ही है, वह भी बिखरी हुई। मुख्यमंत्री की ओर से 50 एकड़ कृषि योग्य भूमि उपलब्ध कराने का आश्वासन मिला है।

प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, दीदउ गोरखपुर विश्वविद्यालय

मंडी परिषद से मांगा हास्टल व स्कालरशिप: कुलपति ने कृषि पाठ्यक्रम के लिए हास्टल और कृषि छात्रों के लिए स्कालरशिप की मांग भी मंडी परिषद के अध्यक्ष के तौर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से की है। मुख्यमंत्री ने बताया है कि वर्तमान में हास्टल, सड़क व स्कालरशिप के लिए धनराशि कृषि विश्वविद्यालयों को ही उपलब्ध कराई जा रही है।

अंग्रेजी विभाग में अभिलेख सत्यापन चार से

गोरखपुर : गोरखपुर विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग में शोध पात्रता परीक्षा के सफल अभ्यर्थियों के अभिलेख के सत्यापन की प्रक्रिया चार अक्टूबर से शुरू होगी। विभागाध्यक्ष प्रो. अजय शुक्ला ने यह जानकारी दी। (विज्ञप्ति)

छूटी मौखिक व प्रयोगात्मक परीक्षा तीन को

गोरखपुर : गोरखपुर विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विषय की स्नातक स्तर की छूटी मौखिक व प्रयोगात्मक परीक्षाएं तीन अक्टूबर को सुबह 10 बजे से होंगी। यह जानकारी विभागाध्यक्ष प्रो. राजेश सिंह ने दी। (विज्ञप्ति)

वृद्धजनों की चिंता करना हो प्राथमिकता

कसया (एसएनबी)। बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 'सफल वयोवृद्धता: मुद्दे व चुनौतियां' विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी को बतौर मुख्य अतिथि दीदउ गोविवि गोरखपुर की कुलपति प्रो.पूनम टंडन ने कहा कि वृद्धजनों को अपने जीवन के प्राथमिकता में रखना और उनकी चिंता करना समाज की सबसे बड़ी सेवा है। जीवंतता और सक्रियता वृद्धावस्था को समस्या नहीं बनने देती है। उन्होंने विद्यालय के रैंकिंग को सुधारने का भी परामर्श दिया। विशिष्ट अतिथि ओपी जिंदल विश्वविद्यालय के व्यवहार विज्ञान विभाग के संस्थापक निदेशक प्रो. संजीव पी साहनी ने कहा कि आज विश्व में बच्चे अपने बेहतर भविष्य के लिए घर छोड़ रहे हैं। वृद्धों की चिंता और सेवा इसी कारण एक बड़ी समस्या बन गयी है। सामुदायिक मनोविज्ञान परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो.एवी मदनावत ने कहा कि सक्रियता उम्र नहीं आदत का विषय है। मन से बूढ़ा होने के बजाय जिंदगी में शरारत करते रहना चाहिए। इससे जीवंतता बनी रहती है। प्रो.जीतेन्द्र मोहन प्रो.एनके सक्सेना डा.आदेश अग्रवाल ने अच्छी व्यवस्था से युक्त जीवन को कुशल वयोवृद्धता की कुंजी बताया। प्रबंधतंत्र के सचिव वीरेन्द्र सिंह अहलुवालिया ने कहा कि वृद्धावस्था मन का विकल्प है। सक्रियता इससे दूर रखती है और व्यक्तित्व को अच्छादित नहीं करती। कार्यक्रम की प्रस्तावना प्रो.अमृतांशु शुक्ला ने रखा। अतिथियों का परिचय प्रो.रामजीलाल श्रीवास्तव ने कराया। स्वागत प्राचार्य प्रो.विनोद मोहन मिश्र ने किया। धन्यवाद ज्ञापन विभागाध्यक्ष प्रो.रामभूषण मिश्रा ने किया। संचालन प्रो.अमृतांशु शुक्ला व प्रो.सीमा त्रिपाठी ने किया। इस महाविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग के संस्थापक दिवंगत शिक्षकों स्व.डा.राघवेन्द्र शरण सिंह, डा.अष्टानन्द तिवारी व डा.बीके तिवारी को नमन करते हुए उनके पुत्रों को सम्मानित किया गया। इसके अलावेगणमान्य वरिष्ठ लोगों को भी सम्मानित किया गया। जिसमें प्रो.सुषमा पाण्डेय, प्रो.अनुपम नाथ त्रिपाठी, डा.दयाशंकर तिवारी, डा.सीपी गुप्ता, डा.बीके टिबड़ेवाल, प्रो.नवरतन शर्मा, प्रशिला सैम आदि शामिल थीं। इस अवसर पर प्रो.रामजीलाल श्रीवास्तव द्वारा लिखित एक पुस्तक व स्मारिका का भी विमोचन कुलपति व अतिथियों ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी, छात्र-छात्रायें मौजूद रहे।

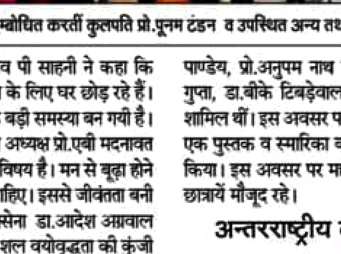

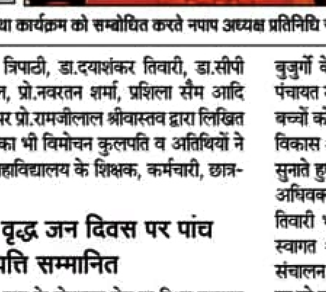

सम्बोधित करतीं कुलपति प्रो.पूनम टंडन व उपस्थित अन्य तथा कार्यक्रम को सम्बोधित करते नपाप अध्यक्ष प्रतिनिधि राकेश ...

अन्तरराष्ट्रीय वृद्ध जन दिवस पर पांच दम्पत्ति सम्मानित

कसया (एसएनबी)। नगर के गोरखपुर रोड पर स्थित वृद्धजन आवास (वृद्धाश्रम) परिसर में आज अंतरराष्ट्रीय वृद्ध जन दिवस पर यहां रह रहे पांच वृद्ध दम्पतियों को अंगवस्त्र तथा पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया गया।

यह वृद्धाश्रम समाज कल्याण विभाग द्वारा वित्तपोषित है। जिसका संचालन प्रबंधक श्रीमती रागिनी सिंह रज्जो तथा सेवादारों द्वारा किया जाता है। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि नपाप कुशीनगर की अध्यक्ष किरन जायसवाल, समाज कल्याण अधिकारी विनय ... अध्यक्ष प्रतिनिधि ... बुजुर्गों के लिए ... पंचायत सदस्य ... बच्चों को दें तावि... विकास श्रीवास्त... सुनाते हुए भाव ... अधिवक्ता अम्... तिवारी भोजपुरि... स्वागत श्रीमती ... संचालन मजीबु... रह रहे दम्पतियों ... पत्नी अन्हिया, ... फुलवा तथा मो... किया गया। जब... गुच्छ देकर सम्... डा. हरिओम मि... पाण्डेय, राकेश ... मौजूद रहे।

Amar Ujala
Page - 10

राजनीति विज्ञान की छूटी प्रायोगिक परीक्षा कल

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विषय की स्नातक स्तर की छूटी हुई मौखिकी/प्रायोगात्मक परीक्षा 3 अक्तूबर को सुबह 10 बजे से विभाग में होगी। राजनीति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. राजेश कुमार सिंह ने देते हुए बताया कि प्रायोगात्मक परीक्षा में छात्र-छात्राएं को प्रवेश पत्र एवं जमा किए गए शुल्क रसीद साथ लाना अनिवार्य होगा। संवाद

रेट के सफल अभ्यर्थियों के अभिलेख सत्यापन 4 से

गोरखपुर। गोरखपुर विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग में 2023 की शोध पात्रता परीक्षा (रेट) में सफल हुए अभ्यर्थियों के अभिलेख सत्यापन की प्रक्रिया 4 अक्तूबर से की जाएगी। यह जानकारी विभागाध्यक्ष प्रो. अजय शुक्ल ने देते हुए बताया कि सफल अभ्यर्थियों को मूल प्रमाण पत्रों की दो सेट फोटो कॉपी, एक फाइल में व्यवस्थित करके लानी होगी। अभ्यर्थी सुबह 11:30 बजे तक विभाग में पहुंच कर सत्यापन करा सकते हैं। संवाद

डीडीयू में कार्य परिषद की बैठक 10 को

गोरखपुर। गोरखपुर विश्वविद्यालय में कार्य परिषद की बैठक 10 अक्तूबर को होगी। विधि, बैंकिंग एंड इंश्योरेंस और मैकेनिकल आदि विभागों में संविदा पर नियुक्ति प्रक्रिया चल रही है। उन नियुक्तियों का लिफाफा खुलेगा। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि बैठक में अन्य भी कई अहम निर्णय लिए जाएंगे। इसके लिए विमर्श कर एजेंडा तैयार किया जा रहा है। संवाद

डीडीयू : जन जागरूकता की दिशा में मील का पत्थर साबित हुई प्रदर्शनी

संवाद न्यूज एजेंसी

अमृता कला वीथिका में आईसीएचआर की प्रदर्शनी का समापन

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के अमृता कला वीथिका में भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद (आईसीएचआर) द्वारा स्वतंत्रता संघर्ष पर लगाई गई प्रदर्शनी का मंगलवार को समापन हो गया। विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के साथ ही शहरवासी और स्कूलों के छात्र भी इसके साक्षी बने।

समापन अवसर पर कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि यह प्रदर्शनी जन जागरूकता की दिशा में एक बड़ी पहल है। आमजन को जागरूक करने की दिशा में भी मील का पत्थर साबित हुई है। किताबों के बाहर भी हमारे इतिहास का विश्वसनीय दस्तावेज मौजूद है। जरूरत है उसे संकलित और संरक्षित करने की। इस प्रदर्शनी के लिए डीडीयू को चुने जाने के लिए उन्होंने आईसीएचआर के प्रति आभार ज्ञापित किया।

इतिहास विभाग के अध्यक्ष प्रो. मनोज तिवारी ने कहा कि भारत के क्रांतिकारी आंदोलन के सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक पक्ष को समेटे हुए इस प्रदर्शनी ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के अनेक पहलुओं को पूरी दक्षता के साथ प्रस्तुत किया। प्रदर्शनी के माध्यम से हमारे विद्यार्थियों को यह पता चला कि स्वतंत्रता की बलिवेदी पर राष्ट्र की मुक्ति के लिए कैसे 9 साल, 12 साल, 15 साल तक के बच्चों ने अपना बलिदान किया।

प्रो. शिवशरण दास ने कहा कि ऐसी प्रदर्शनी पूरे देश में लगनी चाहिए। कम उम्र के सैकड़ो युवाओं का देश के लिए बलिदान विशेष रूप से भावविभोर करने वाला रहा। अचिंत्य लाहिड़ी, चिकित्सक डॉ. सिद्धार्थ अग्रवाल व डॉ दिलीप मणि त्रिपाठी, प्रो. हिमांशु चतुर्वेदी ने भी इसकी सराहना की।

Hindustan
Page - 04

डीडीयू में कार्य परिषद की बैठक 10 को

गोरखपुर। गोरखपुर विश्वविद्यालय में कार्य परिषद की बैठक 10 अक्तूबर को होगी। विधि, बैंकिंग एंड इंश्योरेंस और मैकेनिकल आदि विभागों में संविदा पर नियुक्ति प्रक्रिया चल रही है। उन नियुक्तियों का लिफाफा खुलेगा। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि बैठक में अन्य भी कई अहम निर्णय लिए जाएंगे।

शोध में भी पसंदीदा विषय रहे हैं बापू

गोरखपुर। गांधीजी के विभिन्न आयामों को लेकर डीडीयू में कई शोध हो चुके हैं। हिन्दी के विभागाध्यक्ष प्रो. कमलेश गुप्त ने बताया कि डॉ जगदीश प्रसाद श्रीवास्तव के निर्देशन में अंशु सिंह ने 'गांधीवाद का भवानी प्रसाद मिश्र के काव्य पर प्रभाव' विषय पर शोध किया था। डॉ विश्वनाथ प्रसाद तिवारी के निर्देशन में माधव सिंह ने 'प्रेमचंद के कथा साहित्य में गांधी का विचार दर्शन' विषय पर शोध किया था।

प्रदर्शनी का अवलोकन करते इतिहास विभाग के अध्यक्ष प्रो. मनोज तिवारी व अन्य।

मील का पत्थर साबित हुई प्रदर्शनी

गोरखपुर। गोरखपुर विश्वविद्यालय के अमृता कला विथिका में भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद (आईसीएचआर) द्वारा स्वतंत्रता संघर्ष पर लगाई गई प्रदर्शनी का मंगलवार को समापन हो गया। समापन अवसर पर कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि यह प्रदर्शनी आमजन को जागरूक करने की दिशा में भी मील का पत्थर साबित हुई है। इतिहास विभाग के अध्यक्ष प्रो. मनोज तिवारी, प्रो. शिवशरण दास, अचिंत्य लाहिड़ी आदि ने भी इसकी सराहना की।

Inext Page - 01, 04

सीएम से मिलकर कुलपति ने मांगी 50 एकड़ जमीन, नए कोर्सेज को स्थान

डीडीयू में अब होंगे तीन कैंपस

i GOOD NEWS

नए कैंपस में स्थापित होगा एग्रीकल्चर इंसीट्यूट, रिसर्च का बढ़ेगा दायरा

GORAKHPUR (1 Oct): दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर यूनिवर्सिटी का जल्द ही तीसरा कैंपस भी अस्तित्व में आ जाएगा. यूनिवर्सिटी प्रशासन ने इसके लिए कवायद शुरू कर दी है. सोमवार को सीएम योगी से मिलीं वीसी प्रो. पूनम टंडन ने एग्रीकल्चर इंसीट्यूट बनाने के लिए 50 एकड़ जमीन की मांग की है.

डीएम को दिया निर्देश

वीसी ने बताया कि सीएम ने मांग स्वीकार करते हुए डीएम कृष्णा करूणेश को जमीन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है. जमीन मिलने के बाद यहां डेयरी साइंस व पोस्ट हार्वेस्ट मैनेजमेंट जैसे नए कोर्स शुरू किए जाएंगे. वहीं, नया कैंपस बनने के बाद यहां रिसर्च के लिए सुविधाएं बढ़ाई जाएंगी और पीएचडी कोर्सेज में एडमिशन शुरू किए जाएंगे. प्रशासन की ओर से जमीन मिलते ही नए कैंपस का निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा.

क्राप पर बढ़ेगा रिसर्च

यूनिवर्सिटी कैंपस में संचालित हो रहे एग्रीकल्चर इंसीट्यूट का विस्तार करने के लिए जगह कम पड़ रही है. इससे रिसर्च की संभावनाओं और पीएचडी कोर्स शुरू करने में बाधा आ रही है. इसलिए यूनिवर्सिटी प्रशासन ने नया कैंपस एग्रीकल्चर कैंपस स्थापित करने का निर्णय लिया है.

डेयरी साइंस की पढ़ाई

नए कैंपस में सभी अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ ही डेयरी साइंस की पढ़ाई शुरू करने के लिए गाय, भैंस व बकरी के लिए डेयरी का निर्माण भी किया जाएगा. इसमें जानवरों से मिलने वाले दूध से मिल्क प्रोडक्ट भी तैयार किया जाएगा और उसपर रिसर्च किया जाएगा. वहीं, मिल्क व एनिमल पर रिसर्च के लिए मॉर्डन मशीने भी खरीदी जाएंगी.

शुरू होंगे नए कोर्स

डीडीयू का नए कैंपस में एग्रीकल्चर इंसीट्यूट खुल जाने के बाद पुराने कैंपस में खाली हुई जमीन पर इंजीनियरिंग की एडवांस लैब, वर्कशाप, फार्मेसी बिल्डिंग बनाई जाएगी. इससे नए कोर्सेज को शुरू करने का रास्ता खुलेगा.

नए कोर्स
- डेयरी साइंस
- फूड टेक्नालाजी
- पोस्ट हार्वेस्ट मैनेजमेंट
- स्वायल क्लीनिक

अभी हैं ये कोर्स
- बीएससी एजी
- एग्रोनामी
- जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग
- एग्रीकल्चर इकोनामिक्स
- एग्रीकल्चर एक्सटेंशन
- प्लांट पैथलॉजी
- हार्टीकल्चर
- स्वायल साइंस

मंडी परिषद देगा सहायता

नए एग्रीकल्चर इंसीट्यूट में स्टूडेंट्स को सहूलियत देने के लिए मंडी परिषद स्टूडेंट्स को स्कालरशिप देगा. योजना के मुताबिक 30 बेस्ट परफार्मेंस वाले स्टूडेंट्स को मंडीपरिषद की ओर से स्कॉलरशिप दी जाएगी. परिषद नए इंसीट्यूट के अंदर और बाहर कुल पांच किलोमीटर रोड भी बनाएगा. वहीं, छात्रों के रहने के लिए परिषद की ओर 250 स्टूडेंट्स क्षमता वाले हॉस्टल का भी निर्माण किया जाएगा. इसके लिए यूनिवर्सिटी प्रशासन ने मंडी परिषद से करार करने की योजना बनाई है. डेवलपमेंट हो जाने के बाद कृषि विकास को बढ़ावा मिलेगा.

"डीडीयू का नया कैंपस खोलने की योजना तैयार की गई है. इसके लिए 50 एकड़ जमीन की मांग की गई है. सीएम ने इसके लिए डीएम कृष्णा करूणेश को जमीन तलाशने के निर्देश दिए हैं. नया कैंपस बन जाने से डीडीयू के कुल तीन कैंपस हो जाएंगे. इससे नए कोर्सेज व पीएचडी प्रोग्राम शुरू करने में आसानी होगी.

प्रो. पूनम टंडन, वीसी

छूटी प्रायोगिक परीक्षा कल

GORAKHPUR (1 Oct):दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विषय की स्नातक स्तर की छूटी हुई मौखिकी/प्रायोगात्मक परीक्षा तीन अक्टूबर को सुबह 10 बजे से विभाग में होगी. यह जानकारी राजनीति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. राजेश कुमार सिंह ने देते हुए बताया कि प्रायोगात्मक परीक्षा में छात्र-छात्राएं परीक्षा प्रवेश पत्र एवं जमा किये गये शुल्क रसीद साथ लाना अनिवार्य होगा.

अभिलेख का सत्यापन 4 से

GORAKHPUR (1 Oct): दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग में 2023 की शोध पात्रता परीक्षा (रेट) में सफल हुए अभ्यर्थियों के अभिलेख सत्यापन की प्रक्रिया चार अक्टूबर से की जाएगी. यह जानकारी विभागाध्यक्ष प्रो. अजय शुक्ल ने देते हुए बताया कि सभी सफल अभ्यर्थियों को अपने मूल प्रमाण पत्र और सभी प्रमाण पत्रों की 2 सेट फोटो कॉपी, एक फ़ाइल में व्यवस्थित करके लानी होगी. अभ्यर्थी सुबह 11:30 बजे तक विभाग में पहुंच कर सत्यापन करवा सकते हैं.

Aaj

बुद्ध पीजी कॉलेज में सफल वयोवृद्धता: मुद्दे और चुनौतियां पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ

सकारात्मक सोच व सक्रियता वृद्धावस्था को नहीं बनने देती समस्या- प्रो पूनम टंडन

कुशीनगर। बुद्ध पीजी कालेज कुशीनगर के मनोविज्ञान विभाग द्वारा आईसीएसएसआर- एनआरसी द्वारा प्रायोजित सफल वयोवृद्धता: मुद्दे व चुनौतियां विषयक दो दिवसीय संगोष्ठी का मंगलवार को बतौर मुख्य अतिथि उदघाटन करती हुयी दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो पूनम टंडन ने कहा कि वृद्धजनों को अपने जीवन की प्राथमिकता में रखना और उनकी चिन्ता करना समाज की सबसे बड़ी सेवा है। जीवंतता व सक्रियता वृद्धावस्था को समस्या नहीं बनने देती। कहा कि कालेज में पाली भाषा व साहित्य की पढ़ाई के लिए भवन निर्माण का काम चल रहा है। यहां आने वाले समय में एडवांस कोर्सेज की भी पढ़ाई होगी। कुलपति ने कहा कि ऐसे सेमिनार व एकेडमिक कार्यक्रम रैंकिंग दिलाने में योगदान देते हैं। उदघाटन भाषण के बाद कुलपति ने निर्माणाधीन पाली अध्ययन केन्द्र का निरीक्षण करते हुए आश्चर्य व्यक्त किया कि तीन माह में बहुत बड़ा कार्य हुआ है। कहा कि आज कालेज की मेरी तीसरी विजिट है और यहाँ हर बार कुछ नया विकास कार्य होते हुए देखती हूँ। उन्होंने इसके लिए प्राचार्य व प्रबंध तंत्र को बधाई दी । मुख्य वक्तव्य देते हुए ओपी जिन्दल विश्वविद्यालय सोनीपत में व्यवहार विज्ञान विभाग संस्थापक निदेशक प्रो एसपी साहनी ने कहा कि विश्व में नीति योजना निर्माताओं द्वारा वृद्ध जनों के मुद्दे अछूते है। आजकल जहाँ बच्चे अपने बेहतर भविष्य के लिए घर को छोड़ रहे है। यह वृद्धि की चिन्ता व सेवा की दृष्टि से बड़ी समस्या का कारण है। इसलिए समाज व राज्य का यह दायित्व है कि परिवार में वृद्धों के देखभाल के लिए उचित कदम उठाए। सामुदायिक मनोविज्ञान परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो एवी मदनावत ने कहा कि सक्रियता उम्र नहीं आदत का विषय है। मन से बूढा होने के बजाय जिन्दगी में शरारतें करती रहना चाहिए। इससे जीवंतता बनी रहती है। प्रो जीतेन्द्र मोहन ने कहा कि वृद्धावस्था खात्मे की अवस्था नहीं है। यह भाव जब तक रहेगा तबतक वृद्धावस्था प्रभावी नहीं होगी। टीपीएन महाविद्यालय कानपुर के पूर्व प्राचार्य व मनोविज्ञान के प्रो एनके सक्सेना ने कहा कि सफल वृद्धावस्था के लिए शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य , अर्थपूर्ण व्यस्तता , सक्रियता और जीवन में गत्यात्मकता जरूरी है। इसके लिए मारने की चिंता, मरने का विचार और स्मृति भंग से बचना जरूरी है। कहा कि प्रसन्नता, सम्मान व बातचीत करते रहने से इससे बचा जा सकता है। डॉ आदेश अग्रवाल ने अच्छी व्यवस्था से युक्त जीवन को कुशल वयोवृद्धता की कुंजी बताया। महाविद्यालय प्रबन्ध समिति के सचिव वीरेन्द्र सिंह अहलूवालिया ने कहा कि वृद्धावस्था मन का विकल्प है। सक्रियता इससे दूर रखती है। अध्यक्षता कुशीनगर भिक्षु संघ के अध्यक्ष व प्रबंध समिति के उपाध्यक्ष भदन्त एबी ज्ञानेश्वर ने किया। कार्यक्रम की भूमिका व रूपरेखा संयोजक प्रो अमृतांशु शुक्ल ने रखा। अतिथि परिचय प्रो रामजी लाल ने दिया। बीज वक्तव्य प्रो.एस.पी. साहनी ने दिया। प्राचार्य प्रो विनोद मोहन मिश्र ने स्वागत किया। प्रो रामभूषण मिश्र ने आभार ज्ञापित किया। संचालन आयोजन सचिव प्रो सीमा त्रिपाठी ने किया। संगोष्ठी में स्मारिका व एक अन्य पुस्तक का विमोचन भी हुआ। पहले दिन मंगलवार को सेमिनार में तीन सत्र चला। इस दौरान शिक्षक ,कर्मचारी व छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

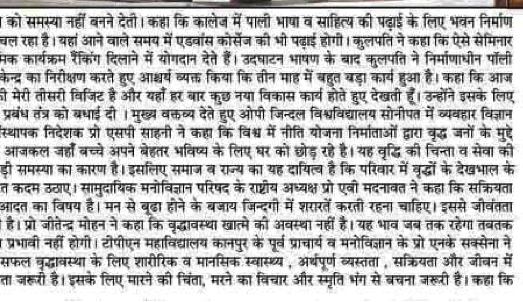

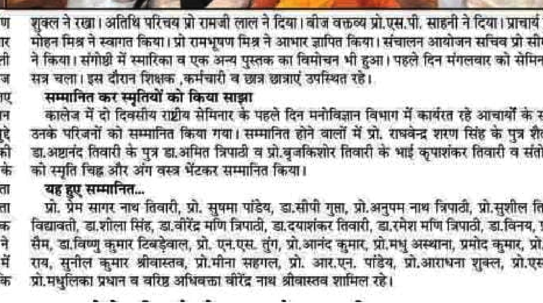

सम्मानित कर स्मृतियों को किया साझा

कालेज में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार के पहले दिन मनोविज्ञान विभाग में कार्यरत रहे आचार्यों के स्मृतियों में उनके परिजनों को सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में प्रो. राघवेन्द्र शरण सिंह के पुत्र शैलेश सिंह, डा.अष्टानंद तिवारी के पुत्र डा.अमित त्रिपाठी व प्रो.बृजकिशोर तिवारी के भाई कृपाशंकर तिवारी व संतोष तिवारी को स्मृति चिह्न और अंग वस्त्र भेंटकर सम्मानित किया।

यह हुए सम्मानित...

प्रो. प्रेम सागर नाथ तिवारी, प्रो. सुषमा पांडेय, डा.सीपी गुप्ता, प्रो.अनुपम नाथ त्रिपाठी, प्रो.सुशील तिवारी, डा. विद्यावती, डा.शीला सिंह, डा.वीरेंद्र मणि त्रिपाठी, डा.दयाशंकर तिवारी, डा.रमेश मणि त्रिपाठी, डा.विनय, प्रो.प्रशीला सैम, डा.विष्णु कुमार टिबड़ेवाल, प्रो. एन.एस. तुंग, प्रो.आनंद कुमार, प्रो.मधु अस्थाना, प्रमोद कुमार, प्रो.अमरनाथ राय, सुनील कुमार श्रीवास्तव, प्रो.मीना सहगल, प्रो. आर.एन. पांडेय, प्रो.आराधना शुक्ला, प्रो.एस.एन.दूबे, प्रो.मधुलिका प्रधान व वरिष्ठ अधिवक्ता वीरेंद्र नाथ श्रीवास्तव शामिल रहे।

Amar Ujala Select
Page 02, 04

राजनीति विज्ञान की छूटी प्रायोगिक परीक्षा कल

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विषय की स्नातक स्तर की छूटी हुई मौखिकी/प्रायोगात्मक परीक्षा 3 अक्तूबर को सुबह 10 बजे से विभाग में होगी। राजनीति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. राजेश कुमार सिंह ने देते हुए बताया कि प्रायोगात्मक परीक्षा में छात्र-छात्राएं को प्रवेश पत्र एवं जमा किए गए शुल्क रसीद साथ लाना अनिवार्य होगा।

सफल अभ्यर्थियों के अभिलेख सत्यापन 4 से

गोरखपुर। दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग में 2023 की शोध पात्रता परीक्षा (रेट) में सफल हुए अभ्यर्थियों के अभिलेख सत्यापन की प्रक्रिया 4 अक्टूबर से की जाएगी। यह जानकारी विभागाध्यक्ष प्रो. अजय शुक्ल ने देते हुए बताया कि सभी सफल अभ्यर्थियों को अपने मूल प्रमाण पत्र और सभी प्रमाण पत्रों की दो सेट फोटो कॉपी, एक फाइल में व्यवस्थित करके लानी होगी। अभ्यर्थी सुबह 11:30 बजे तक विभाग में पहुंच कर सत्यापन करवा सकते हैं।

डीडीयू : जन जागरूकता की दिशा में मील का पत्थर साबित हुई प्रदर्शनी

जीवंतता बुढ़ापे को नहीं बनने देती समस्या

विश्व में नीति योजना निर्माताओं से अछूते रह गए हैं **वृद्धजनों के मुद्दे** : प्रो. एसपी साहनी

जागरण संवाददाता, बुद्धनगरी: दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि वृद्धजनों को अपने जीवन को प्राथमिकता में रखना और उनकी चिंता करना, समाज की सबसे बड़ी सेवा है। जीवंतता व सक्रियता वृद्धावस्था को समस्या नहीं बनने देती। वह बुद्ध पीजी कालेज कुशीनगर के मनोविज्ञान विभाग द्वारा मंगलवार को आयोजित व आइसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित, सफल वयोवृद्धता मुद्दे व चुनौतियां, विषयक दो दिवसीय संगोष्ठी को संबोधित कर रहीं थीं।

कुशीनगर के बुद्ध पीजी कालेज में आयोजित संगोष्ठी को संबोधित करतीं गोवि की कुलपति प्रो. पूनम टंडन • जागरण

उद्घाटन भाषण के बाद कुलपति ने निर्माणाधीन पालि अध्ययन केंद्र का निरीक्षण किया। कहा कि तीन माह में बहुत कार्य हुआ है। आज कालेज की मेरी तीसरी विजिट है और यहां हर बार कुछ नया विकास कार्य देखने को मिला है। मुख्य वक्ता ओपी जिंदल विश्वविद्यालय सोनीपत में व्यवहार विज्ञान विभाग के संस्थापक निदेशक प्रो. एसपी साहनी ने कहा कि विश्व में नीति योजना निर्माताओं द्वारा वृद्धजनों के मुद्दे अछूते हैं। आजकल बच्चे बेहतर भविष्य के लिए घर छोड़ रहे हैं। यह वृद्ध की चिंता व सेवा की दृष्टि से समस्या का बड़ा कारण है।

सामुदायिक मनोविज्ञान परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. एवी मदनावत ने कहा कि सक्रियता उम्र नहीं, आदत का विषय है। जिंदगी में शरारतें करते रहना चाहिए। इससे जीवंतता बनी रहती है। प्रो. जीतेंद्र मोहन ने कहा कि वृद्धावस्था खात्मे की अवस्था नहीं है। यह भाव जब तक रहेगा, तब तक वृद्धावस्था प्रभावी नहीं होगी। टीपीएन महाविद्यालय कानपुर के पूर्व प्राचार्य प्रो एनके सक्सेना ने कहा कि सफल वृद्धावस्था के लिए शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य, अर्थपूर्ण व्यस्तता, सक्रियता और जीवन में गत्यात्मकता जरूरी है। डा. आदेश अग्रवाल ने अच्छी व्यवस्था से युक्त जीवन को कुशल वयोवृद्धता की कुंजी बताया। महाविद्यालय प्रबंध समिति के सचिव वीरेंद्र सिंह अहलूवालिया ने कहा कि वृद्धावस्था, मन का विकल्प है। कार्यक्रम की रूपरेखा संयोजक प्रो. अमृतांशु शुक्ल ने रखी। अतिथि परिचय प्रो. रामजी लाल ने दिया। प्राचार्य प्रो. विनोद मोहन मिश्र ने स्वागत किया। प्रो. रामभूषण मिश्र ने आभार ज्ञापित किया। संचालन आयोजन सचिव प्रो. सीमा त्रिपाठी ने किया। संगोष्ठी में स्मारिका व एक अन्य पुस्तक का विमोचन भी हुआ। इस दौरान एबी ज्ञानेश्वर, डा. सत्यप्रकाश, डा. रीना मालवीय, डा. वीरेंद्र साहू उपस्थित रहे।

यह हुए सम्मानित : डा. राघवेंद्र शरण सिंह, पूर्व प्राचार्य डा. अष्टानंद तिवारी, प्रो. प्रेमसागर तिवारी, प्रो. सुषमा पाण्डेय, प्रो. अनुपम त्रिपाठी, प्रो. सुशील कुमार तिवारी, डा. दयाशंकर तिवारी, डा. प्रशिला सैम, डा. सीपी गुप्त, डा. वीके टिबड़ेवाल, डा. विद्यावती गुप्त, डा. आलोक पाण्डेय, डा. वीरेंद्र मणि त्रिपाठी, डा. शैल सिंह, प्रो. तुंग, डा. शीला सिंह, प्रो. आनंद कुमार, प्रो. नवरत्न शर्मा, डा. जेपी पाठक, डा. नाजिस बानो, डा. रमेश मणि सम्मानित किए गए।

डीडीयू में आईसीएचआर की ऐतिहासिक प्रदर्शनी बना रहा आकर्षण का केंद्र

Super Fast Times

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
सुपर फास्ट टाइम्स
(कुशीनगर/गोरखपुर/गोण्डा/पीलीभीत)

अंग्रेजी विभाग आयोजित करेगा साहित्यिक प्रतियोगिताएं

अक्टूबर के प्रथम सप्ताह से साहित्यिक प्रतियोगिता श्रृंखला का होगा आयोजन

बुद्ध पीजी कॉलेज में 'सफल मुद्दे और चुनौतियां' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन सत्र में बोलीं डीडीयू की कुलपति प्रो. पूनम टंडन

काम का तरीका कराता युवा व वृद्ध होने का अहसास

राष्ट्रीय सेमिनार

कसया, हिन्दुस्तान संवाद। बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय कुशीनगर में सफल वयोवृद्धता: मुद्दे एवं चुनौतियां विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का शुभारंभ हुआ। मंगलवार को उद्घाटन सत्र की मुख्य अतिथि दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो पूनम टंडन ने कहा कि सकारात्मक सोच व ऊर्जावान मनोस्थिति की सफल वयोवृद्धता में अहम भूमिका होती है।

कुलपति ने आगे कहा कि मनोस्थिति की समझ से वयोवृद्धता की चुनौतियों को हल किया जा सकता है। युवापन और वृद्धता का अहसास काम करने के तरीके पर निर्भर होता है। गोरखपुर विश्वविद्यालय व संबद्ध कालेज नए-नए कार्य कर रहे हैं। बुद्ध पीजी कॉलेज में पाली भाषा व साहित्य की पढ़ाई के लिए भवन निर्माण का काम चल रहा है। यहां आने वाले समय में एडवांस कोर्सेज की भी पढ़ाई होगी। कुलपति ने कहा कि ऐसे सेमिनार व एकेडमिक कार्यक्रम रैंकिंग दिलाने में अहम योगदान देते हैं। पहले दिन सेमिनार में तीन सत्र चले। इस दौरान प्रो. राज नारायण स्मृति व्याख्यान का भी आयोजन हुआ। बीज वक्तव्य प्रो एसपी साहनी ने दिया।

विशिष्ट अतिथि डीडीयू की प्रो आदेश अग्रवाल ने कहा कि कार्यक्षेत्र बदलने से परिवर्तन आते हैं। नए परिवर्तन के साथ दूसरे न्यूरल सर्किट तैयार करने पड़ते हैं। इसके लिए सही सोच, सौहार्द पूर्ण संबंध व संतोष की प्रवृत्ति होना जरूरी है। नए सर्किट में यात्रा, पढ़ना, समाजसेवा, खेल सहित सभी अर्थपूर्ण कार्य कर सकते हैं। उन्होंने अमेरिका व इजरायल में हुए शोध का भी उल्लेख किया। इसके अलावा कम्युनिटी साइकोलॉजी एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष प्रो. एवी मदनावत और संरक्षक प्रो. एनके सक्सेना, कालेज प्रबंध समिति सचिव वीरेंद्र सिंह अहलूवालिया, प्राचार्य प्रो विनोद मोहन मिश्र ने भी विषय पर सारगर्भित विचार व्यक्त किए।

इसके पूर्व कम्युनिटी साइकोलॉजी एसोसिएशन ऑफ इंडिया के महासचिव प्रो रामजी लाल ने आगंतुकों का परिचय कराया। अंत में मनोविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो रामभूषण मिश्र ने आगंतुकों के प्रति आभार ज्ञापित किया। अध्यक्षता भिक्षु भदंत एबी ज्ञानेश्वर व संचालन प्रो. अमृतांशु शुक्ल व प्रो.सीमा त्रिपाठी ने संयुक्त रूप से किया।

विशिष्ट योगदान देने वाले मनोवैज्ञानिकों व आचार्यों का हुआ सम्मान: राष्ट्रीय सेमिनार के उदघाटन सत्र में शिरकत करने वाले देश व विदेश के मनोवैज्ञानिकों, आचार्य, सह आचार्य सहित अन्य क्षेत्रों में विशिष्ट योगदान देने वाले स्थानीय लोगों को भी सम्मानित किया गया। विभिन्न क्षेत्रों में योगदान देने वाले प्रो. प्रेम सागर नाथ तिवारी, प्रो. सुषमा पांडेय, डॉ सीपी गुप्ता, प्रो.अनुपम नाथ त्रिपाठी, प्रो.सुशील तिवारी, डा. विद्यावती, डा.शीला सिंह, डा.वीरेंद्र मणि त्रिपाठी, डा.दयाशंकर तिवारी, डा.रमेश मणि त्रिपाठी, डा.विनय, प्रो.प्रशीला सैम, डा.विष्णु कुमार टिबड़ेवाल, प्रो. एन.एस. तुंग, प्रो.आनंद कुमार, प्रो.मधु अस्थाना, डा.प्रमोद कुमार, प्रो.अमरनाथ राय, सुनील कुमार श्रीवास्तव, प्रो.मीना सहगल, प्रो. आर.एन. पांडेय, प्रो.आराधना शुक्ल, प्रो एसएन दूबे, प्रो मधुलिका प्रधान व वरिष्ठ अधिवक्ता वीरेंद्र नाथ श्रीवास्तव को सम्मानित किया गया।

मंगलवार को बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय में कार्यक्रम को संबोधित करती गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन।

परिजनों को सम्मानित कर स्मृतियों को किया साझा

कसया। दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार के पहले दिन मनोविज्ञान विभाग में कार्यरत रहे आचार्यों की स्मृतियों में उनके परिजनों को सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में प्रो राघवेन्द्र शरण सिंह के पुत्र शैलेश सिंह, डॉ अष्टानंद तिवारी के पुत्र डॉ अमित त्रिपाठी व प्रो बृजकिशोर तिवारी के भाई कृपाशंकर तिवारी व संतोष तिवारी को स्मृति चिह्न और अंग वस्त्र भेंटकर सम्मानित किया।

MADAN MOHAN MALAVIYA UNIVERSITY OF TECHNOLOGY
GORAKHPUR - 273010 (U.P.) INDIA
(Formerly : Madan Mohan Malviya Engineering College, Gorakhpur)
Established by Act no. 22 of 2013 of U.P. Govt.
ADMISSION NOTICE
Few seats are vacant for admission in BBA, B.Tech. (other State), B. Pharm. (Lateral Entry), B.Tech. Chemical Engg. (Lateral Entry), B. Tech., MCA, M. Tech., M.Sc. (Physics, Chemistry and Maths). For the above